पाठ 5

1. सभी स्वर्गदूत कहाँ से आए?

-परमेशवर ने उन सभी को शुरुआत में बनाया था।

2. जब परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को बनाया, तो क्या परमेश्वर ने उन्हें मांस और रक्त दिया?

-नहीं।

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों को आत्माओं के रूप में बनाया।

3. परमेशवर ने स्वर्गदूतों को क्यों बनाया?

-परमेशवर ने स्वर्गदूतों को उससे प्यार करने के लिए बनाया है।

-परमेशवर ने उसकी आज्ञा मानने के लिए स्वर्गदूतों को बनाया।

-परमेशवर ने उसकी सेवा करने के लिए स्वर्गदूतों को बनाया।

4. क्या परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को अच्छा या बुरा बनाया है?

-परमेशवर ने सभी स्वर्गदूतों को केवल अच्छा बनाया है।

5. परमेशवर ने कितने देवदूत बनाए?

-परमेशवर ने कई स्वर्गदूत बनाए, और हम उन सभी की गिनती नहीं कर सकते।

6. प्रारंभ में, सभी स्वर्गदूत कहाँ रहते थे?

-परमेशवर के साथ स्वर्ग में।

7. उस देवदूत का क्या नाम था जिसे परमेश्वर ने बहुत बुद्धि और बहुत सुन्दरता से रचा था?

-लूसिफ़ेर।

8. क्या परमेश्वर ने लूसिफ़ेर को अच्छा या बुरा बनाया?

-अच्छा।

-परमेशवर केवल अच्छे स्वर्गदूत ही बना सकते हैं।

9. प्रारंभ में, लूसिफर को क्या हुआ?

-लूसिफर ने उसकी बुद्धि और सुंदरता को देखा, गर्वित हो गया, और परमेश्वर को गद्दी से उतारना चाहता था।

10. बुराई करने वाला पहला व्यक्ति कौन था?

-लूसिफ़ेर।

11. क्या परमेश्वर जानता था कि लूसिफर उसे गद्दी से हटाना चाहता था?

-हां।

-परमेशवर लूसिफर के सभी बुरे विचारों को जानता था।

12. क्या परमेश्वर ने लूसिफ़ेर को उसे गद्दी से हटाने की अनुमति दी थी?

-नहीं।

13. क्योंकि लूसिफर पाप करने वाला पहला व्यक्ति था, परमेश्वर ने लूसिफर का नाम बदल दिया। लूसिफर का नया नाम क्या है?

-शैतान।

14. शैतान के नाम का क्या अर्थ है?

-शैतान के नाम का अर्थ है "दुश्मन।"

15. परमेश्वर ने शैतान को बुराई करने के लिए कैसे दंडित किया?

-परमेश्वर शैतान पर बहुत क्रोधित हुआ और उसे स्वर्ग से बाहर निकाल दिया।

-क्योंकि शैतान के पीछे चलनेवाले स्वर्गदूतों ने पाप किया था।

16. परमेशवर, परमेशवर ने उनके नाम बदल दिए। शैतान का अनुसरण करने वाले स्वर्गदूतों का नया नाम क्या है?

-दानव।

17. परमेश्वर ने शैतान का अनुसरण करने वाले राक्षसों को कैसे दंडित किया?

- परमेश्वर उन पर बहुत क्रोधित हुआ, और उन सभी को स्वर्ग से बाहर फेंक दिया।

18. और कैसे परमेश्वर ने शैतान और उसके दुष्टात्माओं को दण्ड दिया?

-परमेशवर ने शैतान और उसके राक्षसों के लिए अनन्त दंड का एक भयानक स्थान तैयार किया।

19. अनन्त दण्ड के इस भयानक स्थान का क्या नाम है?

- अनन्त अग्नि की झील।

20. शैतान और उसके पिशाच अब कहाँ रहते हैं?

-शैतान और उसके राक्षस अब पृथ्वी पर रहते हैं

21. शैतान और उसके पिशाच अब क्या करते हैं?

-वे दिन-रात परमेशवर के काम के खिलाफ लड़ते हैं।

-आइए हम परमेश्वर की पुस्तक के पहले शब्दों को फिर से पढ़ें:

आइए पढ़ें उत्पत्ति 1:1

1-शुरुआत में, परमेशवर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया।

- शुरुआत क्या है?

-शुरुआत बहुत समय पहले की है जब परमेशवर ने सब कुछ बनाया था।

-शुरुआत में दुनिया में जो कुछ भी है, उसे किसने बनाया?

-परमेशवर।

-दुनिया में जो कुछ भी है वह शुरुआत में परमेशवर द्वारा बनाया गया था।

-परमेशवर द्वारा सब कुछ बनाने से पहले दुनिया में क्या था?

-कुछ नहीं।

-अगर दुनिया में कुछ भी नहीं था, तो परमेशवर ने सब कुछ बनाने के लिए क्या इस्तेमाल किया?

-पृथ्वी और आकाश को बनाने के लिए परमेशवर ने क्या उपयोग किया?

-परमेशवर ने सूर्य, चंद्रमा और सितारों को बनाने के लिए किसका उपयोग किया?

-अगर पेड़ न होते तो क्या तुम लोग घर बना पाते?

-नहीं।

- क्या तुम लोग कुछ नहीं से घर बना पाओगे?

-नहीं।

-अगर मिट्टी न होती तो क्या तुम औरतें घड़ा बना पाती?

-नहीं।

-क्या आप महिलाएं कुछ नहीं से बर्तन बना सकती हैं?

-नहीं।

- सरकण्डे न होते तो क्या तुम बच्चे खिलौना बना पाते?

-नहीं।

- क्या तुम बच्चे कुछ भी नहीं से खिलौना बना सकते हो?

-नहीं।

-अगर दुनिया में कुछ भी नहीं था, तो परमेशवर ने सब कुछ बनाने के लिए क्या इस्तेमाल किया?

-कुछ नहीं।

-फिर परमेशवर ने दुनिया कैसे बनाई?

-परमेशवर ने दुनिया को कुछ नहीं से बनाया है।

- परमेशवर पिता , परमेशवर पुत्र, और परमेशवर पवित्र आत्मा ने सब कुछ कुछ नहीं से बनाया।

-परमेशवर कैसे आकाश और पृथ्वी को शून्य से बनाने में सक्षम थे?

-परमेशवर कैसे कुछ भी नहीं से सब कुछ बनाने में सक्षम थे?

-परमेशवर सर्व शक्तिशाली हैं।

-परमेशवर की शक्ति कभी समाप्त नहीं होती।

-परमेशवर की शक्ति शाश्वत है।

-क्या ईश्वर की शक्ति की कोई सीमा है?

-नहीं।

-परमेशवर की शक्ति की कोई सीमा नहीं है।

-परमेशवर की शक्ति का कोई अंत नहीं है।

-ऐसा कुछ भी नहीं है जो ईश्वर नहीं कर सकता।

-परमेशवर सब कुछ कर सकते हैं।

-परमेशवर ने सारी दुनिया को शून्य से बनाया है।

-क्या परमेशवर से ज्यादा शक्तिशाली कोई है?

-नहीं।

-क्या शैतान परमेशवर से ज्यादा शक्तिशाली है?

-नहीं।

-क्या शैतान के दुष्टात्माएँ परमेश्वर से अधिक शक्तिशाली हैं?

-नहीं।

-क्या लोग परमेशवर से ज्यादा शक्तिशाली हैं?

-नहीं।

-क्या ऐसा कुछ है जो परमेशवर नहीं कर सकता?

-नहीं।

-परमेशवर कुछ भी कर सकता है जो वह करना चाहता है।

-परमेशवर वह सब कुछ कर सकता है जो वह करना चाहता है।

-परमेशवर को कैसे पता चला कि कैसे कुछ भी नहीं से सब कुछ बनाया जाता है?

-क्या किसी ने परमेशवर को सब कुछ बनाना सिखाया?

-तुम लोग अपने लड़कों को मक्के की बुआई करना सिखाते हो, क्योंकि छोटे लड़के मक्का की बुआई करना नहीं जानते।

-आप महिलाएं अपनी लड़कियों को खाना बनाना सिखाती हैं, क्योंकि युवा लड़कियां खाना बनाना नहीं जानती हैं।

-क्या किसी ने परमेशवर को सब कुछ बनाना सिखाया?

-नहीं।

-किसी ने परमेशवर को क्यों नहीं सिखाया?

-क्योंकि शुरुआत में परमेशवर को सिखाने वाला कोई और नहीं था।

-यदि शुरुआत से पहले केवल परमेशवर रहते थे, तो उन्हें सिखाने वाला कोई और नहीं था।

-साथ ही, परमेश्वर को उसे सिखाने के लिए किसी की आवश्यकता नहीं है।

-परमेशवर को उसे सिखाने के लिए किसी की आवश्यकता क्यों नहीं है?

-क्योंकि परमेशवर सब जानते हैं।

-परमेशवर की बुद्धि कभी खत्म नहीं होती।

-परमेशवर की बुद्धि शाश्वत है।

-क्या ईश्वर की बुद्धि की कोई सीमा है?

-नहीं।

-परमेशवर की बुद्धि की कोई सीमा नहीं है।

-परमेशवर की बुद्धि का कोई अंत नहीं है।

-ऐसा कुछ भी नहीं है जो परमेशवर नहीं जानता।

-परमेशवर सब कुछ जानता है।

-परमेशवर ने सारी दुनिया को शून्य से बनाया है।

-क्या परमेशवर से ज्यादा बुद्धिमान कोई है?

-नहीं।

-क्या शैतान परमेशवर से ज्यादा बुद्धिमान है?

-नहीं।

-क्या शैतान के दुष्टात्माएँ परमेश्वर से अधिक बुद्धिमान हैं?

-नहीं।

-क्या लोग परमेशवर से ज्यादा बुद्धिमान होते हैं?

-नहीं।

-परमेशवर सब कुछ के बारे में सब कुछ जानता है।

-इसीलिए हमें परमेश्वर के वचन को सुनना चाहिए।